मंगलवार, 11 मार्च, 2014
राज एक्सप्रेस

पीआरटीएस के प्रशिक्षण शिविर में बोले कुलपति

ह्यूमन ट्रैफिकिंग को कड़ाई से रोके पुलिस

सीखने की कोई उम्र नहीं होती अवसरों का पूरा लाभ लें

■ राज न्यूज नेटवर्क

इंदौर। महिलाओं एवं बच्चों की होने वाली तस्करी संबंधी अपराधों, उत्पीड़न आदि को रोकने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी पुलिस की है। इसे रोकने के लिए पुलिस को कड़ा रुख अपनाना होगा।

यह बात सोमवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीपी सिंह ने पुलिस रेडियो ट्रैनिंग स्कूल में ह्यूमन ट्रैफिकिंग पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में बतौर मुख्य अतिथि कही। इस दौरान उन्होंने पुलिस के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इसे रोकने का बड़ा दायित्व भी पुलिस का ही है। उन्होंने संविधान के कई अनुच्छेदों पर प्रकाश डालते हुए मानव तस्करी के क्षेत्र में बनाए गए प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही प्रतिभागियों को कहा गया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती, इसलिए अपने ज्ञानार्जन हेतु सीखने के अवसरों का पूरा लाभ लें।

50 अधिकारी प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए

स्कूल के पुलिस महानिरीक्षक वरुण कपूर ने कहा कि स्कूल द्वारा पुलिस अधिकारियों के लिए 3 दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार-प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप निरीक्षक से उप पुलिस अधीक्षक स्तर के 50 अधिकारी सम्मिलित हुए। इस सेमिनार में देश व प्रदेश के विशेषज्ञों को बुलाया गया है, जो कि प्रतिभागियों को मानव तस्करी के विरुद्ध जागरुकता लाने के साथ जानकारी देंगे, जिससे मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यवाही इस मानव त्रासदी के विरुद्ध और सुदृढ़ हो सके। संचालन प्रांजलि शुक्ला उपुअ, स्वागत भाषण सुदीप गोयनका उपुअ एवं आभार एएन लिटौरिया उपुअ द्वारा व्यक्त किया गया।